अध्याय-तृतीय

अध्याय - तृतीय

प्रदत्तों का संकलन एवं प्रस्तुतीकरण

3 0 भूमिका

शोधकार्य मे दिशा की ओर अग्रसर होने के उद्देश्य से यह जानना आवश्यक होता है कि शोध–प्रबध का व्यवस्थित अभिकल्प या रूपरेखा तैयार की जाये क्योकि यही अभिकल्प शोध को निश्चित दिशा प्रदान करता है। इससे न्यादर्श के चयन की अपनी विशेष भूमिका होती है। न्यादर्श जितने अधिक सुदृढ होगे, शोध के परिणाम उतने ही विश्वसनीय, वैध एव परिशुद्ध होगे। न्यादर्श चयन के पश्चात उपकरणो एव तकनीक का चयन भी महत्वपूर्ण है, क्योकि इन्ही के माध्यम से प्रदत्तो का सकलन किया जाता है।

3 1 न्यादर्श चयन

न्यादर्श पद्धति अनुसधान की वह पद्धति है जिसमे अनुसधान विषय के अतर्गत सपूर्ण जनसख्या से सावधानीपूर्वक कुछ इकाईयो को चुना जाता है, जो सपूर्ण जनसख्या की आधारभूत विषेषताओ का प्रतिनिधित्व करती है।

प्रस्तुत शोध मे शोधकर्त्ता ने उच्च प्राथमिक शालाओ मे स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा की स्थिति का अध्ययन करने के लिए भोपाल की आठ शा उ प्रा शा और आठ अशा उ प्रा शा का चयन किया गया। इस शोधकार्य हेतु समस्त भोपाल को चार भागो मे विभाजित किया गया। ये चार भाग है–

1 अरेरा कालोनी क्षेत्र

2 टी टी नगर क्षेत्र

3 पुराना भोपाल क्षेत्र

4 बी एच ई एल क्षेत्र

निरन्तर

प्रत्येक क्षेत्र मे से दो शासकीय तथा दो अशासकीय विद्यालयो का चयन किया गया। न्यादर्श का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है। इसके लिए शोधकर्त्ता ने डी ओ ऑफिस से शासकीय तथा अशासकीय शालाओ की सूची ली और सभी शालाओ के नाम की पर्चिया बनायी और उनमे से आठ शा उ प्रा शा तथा आठ अशा उ प्रा शा की पर्चिया चुन ली गई।

3 2 उपकरण

अनुसधान मे आकडो के सकलन हेतु प्रयुक्त साधनो को उपकरण कहते है। उपकरण शोध को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने एव शोधकार्य के निष्कर्ष निकालने मे सहायक होते है। शोधकर्त्ता द्वारा अपने अध्ययन के लिए निर्धारित उद्देश्यो की पूर्ति के लिए उपकरणो का निर्माण विकास एव चयन कुशलतापूर्वक प्रयोग किए जाने का अपना महत्व है। अत उपकरणो का निर्माण अध्ययन के उद्देश्यो को ध्यान मे रखते हुए किया जाना चाहिए।

अध्ययन का मुख्य उद्देश्य उच्च प्राथमिक शालाओ मे शारीरिक शिक्षा की स्थिति का अध्ययन करना था। इस हेतु यह निर्णय लिया गया कि चयनित शाला के प्राचार्य, शारीरिक शिक्षक तथा छात्रो के लिए प्रश्नावली की आवश्यकता महसूस की गई। तथा विद्यालय मे उपलब्ध सुविधाओ की जानकारी प्राप्त करने हेतु अवलोकन सारणी का निर्माण किया गया।

प्रश्नावली की रचना हेतु भूतकाल मे किये गए शोध का अध्ययन किया एव वरिष्ठ शिक्षकगणो के विचारो को भी इसमे सम्मिलित किया गया है तथा खेल शिक्षको के विचारो को भी लिया गया है।

3 2 1 स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (प्रधान अध्यापको के लिए) इस प्रश्नावली मे 49 प्रश्न है। परिशिष्ट "अ" मै देखै।

Regional Institute of Education LIBRARY Bhopal

3 2 2 स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (खेल शिक्षको के लिए) इस प्रश्नावली मे 26 प्रश्न है।

3 2 3 स्वास्थ्य एव शारीरिक शिक्षा जानकारी प्रश्नावली (विद्यार्थियो के लिए) इस प्रश्नावली मे 13 प्रश्न है।

3 2 4 अवलोकन सारणी इसमे 12 प्रश्न है।

3 3 प्रदत्तो का सकलन

आकडो का सकलन हेतु अध्ययनकर्त्ता विद्यालय लगने के निर्धारित समय पर पहुचकर विद्यालय के प्रधान अध्यापक को प्रस्तुत अध्ययन के विषय एव उद्देश्य से अवगत कराया तत्पश्चात अनुमति प्राप्त कर जानकारी प्राप्त की। इस अध्ययन कार्य मे प्रत्येक शाला मे तीन दिन का समय लगा है। पहले शाला के प्रधान अध्यापक से प्रश्नावली द्वारा जानकारी प्राप्त की। उसके बाद खेल शिक्षक से जानकारी प्राप्त की गई। फिर हर विद्यालय के दो–दो छात्रो से जानकारी प्राप्त की गई। अवलोकन सारणी द्वारा शाला मे उपलब्ध सुविधाओ की जानकारी प्राप्त की गई।

3 4 प्रयुक्त साख्यिकी

प्रस्तुत शोधकार्य मे प्रदत्तो को सारणीबद्ध किया गया है।

निरन्तर